

पुस्तक संख्या सं० 227/91

पुस्तक आदेश सं० 219/90 सं० 227/91 के अंतर्गत निम्नानुसार संशोधन प्रस्तावित है:-

अवर निरीक्षकों की तरह आरक्षक निरीक्षक सहायक अवर निरीक्षक, हवलदार एवं आरक्षी का रेल पुस्तक में पदस्थापन अप्रिय पदस्थापन नहीं किया जायेगा क्योंकि रेल पुस्तक में जिला पुस्तक की भाँति ही सुविधाएँ और कार्य करने के समान अवसर उपलब्ध है अतएव रेल पुस्तक में उन आरक्षी निरीक्षक, सहायक अवर निरीक्षक, हवलदारों एवं आरक्षियों के पदस्थापन पर कोई प्रातबन्ध नहीं होगा जो पूर्व में अपराध अनुत्थान विभाग, विशेष शाखा या प्रशिक्षण संस्थानों में पदस्थापित रह चुके हैं। इसी तरह रेल पुस्तक में पदस्थापित आरक्षी निरीक्षक, सहायक अवर निरीक्षक, हवलदारों या आरक्षियों को भी अपराध अनुत्थान विभाग, विशेष शाखा, प्रशिक्षण संस्थानों में स्थानान्तरण/पदस्थापित करने में कोई प्रातबन्ध नहीं होगा। यह आदेश तात्कालिक प्रभाव से लागू माना जायेगा।

महानदेशक एवं आरक्षी महानिरीक्षक, बिहार, पटना

आपका 4/2/91/पो-2
7-6-53-90पार्ट-3

महानदेशक एवं आरक्षी महानिरीक्षक कार्यालय, बिहार।
पटना, दिनांक 15 जुलाई, 1991

प्रतिलिपि अनुसारतः:-

18-महानदेशक, विशेष शाखा/अपराध अनुत्थान, विभाग/तकनाकी सेवाएँ, बिहार, पटना को सूचनार्थ।

28-सभी प्रेषणाग आरक्षी महानिरीक्षक/आरक्षी महानिरीक्षक, रेलवे को सूचनार्थ एवं मार्गदर्शनार्थ।

38-सभी प्रेषणाग आरक्षी उप-महानिरीक्षक/आरक्षी उप-महानिरीक्षक, रेलवे/आरक्षी उप-महानिरीक्षक, प्रशिक्षण, पटौटा/सीओ को सूचनार्थ एवं मार्ग दर्शनार्थ।

48-सभी आरक्षी अधीक्षक/रेल आरक्षी अधीक्षक/प्राचार्य, पटौटा/सीओ/आरक्षी अधीक्षक, प्रशिक्षण केन्द्र, पटना को सूचनार्थ।

महानदेशक एवं आरक्षी महानिरीक्षक, बिहार, पटना।

प्रतिलिपि :-

प्रशाखा पदाधिकारी, पी-1 प्रशाखा/पी-2 प्रशाखा/गजटर्क को द्वितीयक में/एकत-पी प्रशाखा/एकत-एक प्रशाखा को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु।

1.7.91